अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2021) दिनांक : 18.12.2021

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

बावन बोल–25

प्र. 1 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) आठ कर्मों का क्षायिक, क्षयोपशम, निष्पन्न किस-किस गुणस्थान तक?

(ख) चौदह गुणस्थानों में आश्रव व संवर के बोल कितने-कितने पाते हैं?

(ग) आठ कर्मों का उदय उपशम, क्षय, क्षयोपशम, निष्पन्न छह द्रव्य में कौन, नौ तत्त्व में कौन?

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) नौ तत्त्व के एक सौ पन्द्रह बोलों की पृच्छा।

(ख) इन्द्रियां कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ग) श्रावक के बारह व्रतों के द्रव्य क्षेत्र, काल भाव और गुण की चर्चा।

(घ) चौदह गुणस्थान कितने भाव? कितनी आत्मा?

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) उदय निष्पन्न यावत् पारिणामिक निष्पन्न छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ख) आठ आत्मा कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ग) उदय के तैतीस बोलों में कौन-कौन आत्मा?

(घ) जीव पदार्थ कितने भाव? यावत् मोक्ष पदार्थ कितने भाव?

इक्कीस द्वार–25

प्र. 4 कोई चार बोल पूरा लिखें– 20

(क) स्त्रीवेदी।

(ख) अपर्याप्त।

(ग) अचरम।

(घ) मिथ्यात्वी।

(ङ) सामायिक संयति।

(च) असंज्ञी।

प्र. 5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें–(कितने व कौन-कौन से पाते हैं?) 5

(क) सूक्ष्म–लेश्या, दृष्टि।

(ख) अज्ञानी–दृष्टि, योग।

(ग) सम्यक् मिथ्या दृष्टि–योग उपयोग।

(घ) तेजोलेश्या–जीव के भेद, दण्डक।

(ङ) अवेदी–गुणस्थान लेश्या।

(च) पद्म लेश्यी–दण्डक, लेश्या।

(छ) मनयोगी–जीव का भेद, योग।

जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय व तृतीय खण्ड)–30

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) पुण्य पाप द्वार।

(ख) दान दया अनुकम्पा द्वार–प्रारंभ से लेकर व्यावहारिक दान तक लिखें।

(ग) व्रताव्रत द्वार–निर्ग्रंथ किसे कहते हैं, उनके प्रकारों को स्पष्ट करते हुए अगार व अनगार धर्म पालने वालों का अंतर लिखें।

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) विश्राम द्वार।

(ख) श्रावक गुण द्वार।

(ग) खटमल में प्राण, इन्द्रिय, पर्याप्ति व योग कितने व कौन से?

(घ) सम्यक्त्व के लक्षण व भूषण लिखें।

(ङ) आगम को परिभाषित करते हुए अंगों के नाम लिखें।

(च) दृष्टिवाद, मूल, छेद व अनुयोग के नाम लिखें।

(छ) नय के दो प्रकार से प्रारंभ करते हुए अंत तक लिखें।

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें– 5

(क) पंचेन्द्रिय जीव संज्ञी और असंज्ञी?

(ख) व्रत का दूसरा नाम क्या है?

(ग) प्रमाण किसे कहते हैं?

(घ) जीव स्थान से आप क्या समझते हैं?

(ङ) दया किसे कहते हैं?

(च) धर्म के दस भेदों के नाम लिखें।

(छ) कुत्सित आचार करने वाला–इसे एक शब्द में बताएं।

पूर्व कंठस्थ ज्ञान–20

प्र. 9 किन्हीं आठ प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखें– 8

प्रत्येक खण्ड से दो प्रश्नों को हल करें–

पच्चीस बोल–

(क) किस अंक के भांगा 3।

(ख) सातवां दण्डक।

(ग) चौदहवां संवर

चतुर्भंगी–

(घ) निर्जरा किस कर्म का उदय।

(ङ) लेश्या जीव या अजीव?

(च) किस उपयोग के जीव कम, किस उपयोग के जीव अधिक?

पच्चीस बोल की चर्चा–(किसमें व कौन-कौन से?)

(छ) आठ योग।

(ज) जीव के नौ भेद।

(झ) छह दण्डक।

तत्त्व चर्चा–

(ञ) दया छः में कौन? नौ में कौन?

(ट) कर्म सावद्य या निरवद्य?

(ठ) पुण्य हेय या उपादेय?

प्र. 10 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) कर्म प्रकृति–वेदनीय कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति ***अथवा*** कर्म के विपाकोदय में कार्यकारी चार निमित्त लिखें।

(ख) जैन तत्त्व प्रवेश–आश्रव द्वार ***अथवा*** औदयिक भाव।

(ग) प्रतिक्रमण–शुक्र स्तुति ***अथवा*** प्रायश्चित्त सूत्र।